

Rajasthan Under the Pradhan Mantri Dhan-Dhaanya Krishi Yojana (PMDDKY)



According to the Rajasthan Chief Minister's Office, on 13 October 2026, Nagaur district emerged as the top-performing district in India in crop diversification and sustainable farming under the Pradhan Mantri Dhan-Dhaanya Krishi Yojana (PMDDKY). Nagaur scored 18.44 points in this category. The scheme is implemented in eight districts of Rajasthan.

Key Highlights

Particulars	Details
Scheme name	Pradhan Mantri Dhan-Dhaanya Krishi Yojana (PMDDKY)
Announced in	Union Budget 2025–26
Cabinet approval	16 July 2025
Official launch	11 October 2025

Implementing period	Six years, beginning in 2025–26
Total districts covered	100 districts across India
Rajasthan districts	8
Top-performing district	Nagaur, Rajasthan
Nagaur's score	18.44 points in crop diversification and sustainable farming
National ranking	4th in post-harvest storage capacity and long-term agricultural credit
Other Rajasthan achievement	Pali ranked 8th nationally in improving irrigation infrastructure

Nagaur ranked fifth nationally in improving agricultural productivity and governance and service delivery Nagaur was ranked 2nd nationally overall with 84.13 points, while Jaisalmer received recognition for the use of integrated pest management for cumin cultivation in 2,000 acres and solar-powered sprinkler irrigation in 500 acres.

Six Key Objectives of PMDDKY

1. Enhance agricultural productivity.
2. Promote crop diversification and sustainable farming.
3. Increase post-harvest storage facilities.
4. Improve irrigation infrastructure.
5. Improve access to short-term and long-term agricultural credit.
6. Strengthen governance and service delivery.

Conclusion

The Pradhan Mantri Dhan-Dhaanya Krishi Yojana seeks to make underperforming agricultural districts into places of better production through focused planning, improved irrigation, sustainability in farming, and credit facilities. The national achievement of Nagaur is a reflection of the achievement of Rajasthan in agricultural development. Successful

implementation of the scheme and a measurable increase in farmers' income will determine the long-term success of the scheme.

MCQs for Competitive Exams

Q1. How many districts are covered under PMDDKY across India?

- A) 50
- B) 75
- C) 100
- D) 150

Answer: C) 100

Q2. Which Rajasthan district ranked first nationally in crop diversification and sustainable farming under PMDDKY?

- A) Pali
- B) Nagaur
- C) Jaisalmer
- D) Bikaner

Answer: B) Nagaur

Q3. PMDDKY was launched in which year?

- A) 2023
- B) 2024
- C) 2025
- D) 2026

Answer: C) 2025

Q4. How many existing Central Government schemes are converged under PMDDKY?

- A) 18
- B) 24
- C) 36
- D) 50

Answer: C) 36

राजस्थान में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY)

राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 को नागौर जिला प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY) के अंतर्गत फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती के क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला बना। इस श्रेणी में नागौर ने 18.44 अंक प्राप्त किए। राजस्थान के कुल 8 जिलों में इस योजना को लागू किया गया है।

2. प्रमुख तथ्य

प्रमुख बिंदु	विवरण
योजना का नाम	प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PMDDKY)
घोषणा	केंद्रीय बजट 2025-26
केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी	16 जुलाई 2025
आधिकारिक शुभारंभ	11 अक्टूबर 2025
योजना की अवधि	6 वर्ष, वर्ष 2025-26 से प्रारंभ
देश में शामिल कुल जिले	100 जिले
राजस्थान में शामिल जिले	8 जिले
सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला	नागौर, राजस्थान

फसल विविधीकरण एवं टिकाऊ खेती में नागौर के अंक	18.44 अंक
राष्ट्रीय रैंकिंग	फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता और दीर्घकालिक कृषि ऋण के क्षेत्र में चौथा स्थान
राजस्थान की अन्य उपलब्धि	सिंचाई सुविधाओं में सुधार के लिए पाली को देश में आठवाँ स्थान

- नागौर ने कृषि उत्पादकता में सुधार तथा शासन व्यवस्था और सेवा वितरण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया। वहीं, 84.13 अंकों के साथ नागौर को समग्र राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरा स्थान मिला।
- जैसलमेर को 2,000 एकड़ क्षेत्र में जीरे की खेती के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन (Integrated Pest Management) अपनाने तथा 500 एकड़ क्षेत्र में सौर ऊर्जा से संचालित स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था के लिए सराहना मिली।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के छह प्रमुख उद्देश्य

- कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना।
- फसल विविधीकरण एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।
- फसल कटाई के बाद भंडारण सुविधाओं का विस्तार करना।
- सिंचाई अवसंरचना में सुधार करना।
- अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कृषि ऋण की उपलब्धता बढ़ाना।
- शासन व्यवस्था और सेवाओं की आपूर्ति को सुदृढ़ बनाना।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कम कृषि प्रदर्शन वाले जिलों में लक्षित योजनाओं, बेहतर सिंचाई सुविधाओं, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और कृषि ऋण की उपलब्धता के माध्यम से कृषि विकास को गति देना है। नागौर की राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि राजस्थान में कृषि विकास की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाती है। योजना की दीर्घकालिक सफलता प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों की आय में होने वाली मापनीय वृद्धि पर निर्भर करेगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत पूरे भारत में कितने जिले शामिल किए गए हैं?

- A) 50 जिले
B) 75 जिले

C) 100 जिले

D) 150 जिले

उत्तर: C) 100 जिले

प्रश्न 2. राजस्थान के किस जिले ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत फसल विविधीकरण एवं टिकाऊ खेती में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया?

A) पाली

B) नागौर

C) जैसलमेर

D) बीकानेर

उत्तर: B) नागौर

प्रश्न 3. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का शुभारंभ किस वर्ष किया गया?

A) 2023

B) 2024

C) 2025

D) 2026

उत्तर: C) 2025

प्रश्न 4. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की कितनी मौजूदा योजनाओं का समन्वय किया गया है?

A) 18

B) 24

C) 36

D) 50

उत्तर: C) 36

Conclusion of Multinational Exercise Tarang Shakti 2.0



The second edition of Exercise Tarang Shakti 2026 was completed by the Indian Air Force (IAF) at Air Force Station Jodhpur, Rajasthan, on 12 October 2026. Conducted from 26 September under the theme “Power in Partnership,” the multinational air exercise brought together air forces from seven countries and observers from 32 nations. It focused on joint mission planning, the exchange of operational experience, improved interoperability, and stronger defence cooperation among participating countries. The exercise also highlighted India's growing aerospace capabilities and commitment to defence self-reliance.

Key Highlights

Key Point	Details
Host	Indian Air Force (IAF)
Venue	Air Force Station, Jodhpur, Rajasthan
Dates	26 September–12 October 2026
Theme	Power in Partnership
Participating countries	7 foreign countries
Observer nations	32 countries
Indigenous platforms	LCA Tejas and LCH Prachand

Why Is Exercise Tarang Shakti Important?

- Interoperability: Improves coordination between participating air forces.
- Defence cooperation: Strengthens international partnerships and mutual understanding.
- Self-reliance: Showcases India's indigenous aerospace platforms, including Tejas and Prachand.
- Modern warfare preparedness: Encourages knowledge-sharing, advanced mission planning, and learning from different operational practices.

Indigenous Defence Capabilities and International Cooperation

The exercise highlighted the importance of combining indigenous technological development with international cooperation. It provided opportunities for participating air forces to understand different aircraft, procedures, and operational approaches, supporting future training and capability development.

Conclusion

The successful conclusion of Exercise Tarang Shakti 2.0 marks an important step in strengthening India's defence partnerships and the Indian Air Force's operational preparedness. By bringing together seven foreign air forces and 32 observer nations, the exercise promoted professional learning, coordination and trust. It also demonstrated the country's indigenous capabilities in the field of aerospace and underlined the need for self-reliance and cooperation with others. Learnings will be applied to future training and will help ensure regional and global security.

MCQs

1. Which force hosted Exercise Tarang Shakti 2026?

- A. Indian Army
- B. Indian Air Force
- C. Indian Navy
- D. DRDO

Answer: B. Indian Air Force

2. Where did the exercise conclude?

- A. Jaipur
- B. New Delhi
- C. Jodhpur
- D. Pune

Answer: C. Jodhpur

3. What was the theme of Exercise Tarang Shakti 2026?

- A. Mission Peace
- B. Power in Partnership
- C. Sky Warriors

D. Strength Through Technology

Answer: B. Power in Partnership

4. Which indigenous aircraft participated in the exercise?

A. Tejas

B. Prachand

C. Both A and B

D. Neither A nor B

Answer: C. Both A and B

बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति 2.0 का समापन

भारतीय वायु सेना (IAF) ने 12 अक्टूबर 2026 को राजस्थान के वायु सेना स्टेशन, जोधपुर में बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति 2026 के दूसरे संस्करण का सफलतापूर्वक समापन किया। 26 सितंबर से आयोजित इस अभ्यास की थीम “साझेदारी में शक्ति (Power in Partnership)” थी। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में सात देशों की वायु सेनाओं ने भाग लिया, जबकि 32 देशों के प्रतिनिधियों ने पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लिया। इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त मिशन योजना, परिचालन अनुभवों के आदान-प्रदान, समन्वय और अंतरराष्ट्रीय रक्षा साझेदारी को मजबूत करना था। इस अभ्यास ने भारत की बढ़ती एयरोस्पेस क्षमताओं और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

प्रमुख बिंदु

प्रमुख बिंदु	विवरण
आयोजक	भारतीय वायु सेना (IAF)
स्थान	वायु सेना स्टेशन, जोधपुर, राजस्थान
तिथि	26 सितंबर–12 अक्टूबर 2026
थीम	साझेदारी में शक्ति (Power in Partnership)
भाग लेने वाले देश	7 विदेशी देश
पर्यवेक्षक देश	32 देश
स्वदेशी प्लेटफॉर्म	LCA तेजस और LCH प्रचंड

सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति क्यों महत्वपूर्ण है?

- अंतर-संचालन क्षमता: भाग लेने वाली वायु सेनाओं के बीच समन्वय को बेहतर बनाता है।
- रक्षा सहयोग: अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और आपसी समझ को मजबूत करता है।
- आत्मनिर्भरता: तेजस और प्रचंड जैसे भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस प्लेटफॉर्म की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

- आधुनिक युद्ध की तैयारी: ज्ञान के आदान-प्रदान, उन्नत मिशन योजना और विभिन्न परिचालन प्रक्रियाओं से सीखने के अवसर प्रदान करता है।

स्वदेशी रक्षा क्षमताएँ और अंतरराष्ट्रीय सहयोग

इस अभ्यास ने स्वदेशी तकनीक के विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बीच संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। इसमें भाग लेने वाली वायु सेनाओं को विभिन्न विमानों, प्रक्रियाओं और परिचालन तरीकों को समझने का अवसर मिला। इससे भविष्य के प्रशिक्षण और रक्षा क्षमताओं के विकास में सहायता मिलने की उम्मीद है।

निष्कर्ष

अभ्यास तरंग शक्ति 2.0 का सफल समापन भारत की रक्षा साझेदारियों को मजबूत करने और भारतीय वायु सेना की परिचालन तैयारियों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सात विदेशी वायु सेनाओं और 32 पर्यवेक्षक देशों की भागीदारी से इस अभ्यास ने पेशेवर ज्ञान के आदान-प्रदान, आपसी समन्वय और विश्वास को बढ़ावा दिया। इसने एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की स्वदेशी क्षमताओं को भी प्रदर्शित किया तथा आत्मनिर्भरता और अन्य देशों के साथ सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। इस अभ्यास से प्राप्त अनुभवों का उपयोग भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति 2026 का आयोजन किसने किया?

- A. भारतीय थल सेना
- B. भारतीय वायु सेना
- C. भारतीय नौसेना
- D. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

उत्तर: B. भारतीय वायु सेना

2. इस सैन्य अभ्यास का समापन कहाँ हुआ?

- A. जयपुर
- B. नई दिल्ली
- C. जोधपुर
- D. पुणे

उत्तर: C. जोधपुर

3. सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति 2026 की थीम क्या थी?

- A. मिशन शांति
- B. साझेदारी में शक्ति
- C. आकाश योद्धा
- D. प्रौद्योगिकी के माध्यम से शक्ति

उत्तर: B. साझेदारी में शक्ति

4. इस अभ्यास में भारत के कौन-से स्वदेशी विमान शामिल थे?

- A. तेजस
- B. प्रचंड
- C. A और B दोनों
- D. A और B में से कोई नहीं

उत्तर: C. A और B दोनों

RASonly